NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

कृत्रिम सजावटी पौधे और उनका उपयोग

डा0 पूर्णिमा सिंह सिकरवार

परिचय:

कृत्रिम सजावटी पौधे प्राकृतिक पौधों की प्रतिकृति होते हैं, जिनका उपयोग वाणिज्यिक और घरेलू सजावट के लिए किया जाता है। इन्हें कभी–कभी वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए भी बनाया जाता है, जैसे किसी विशेष क्षेत्र की वनस्पति को प्रदर्शित करना। तेजी से औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण भूमि की उपलब्धता कम होती जा रही है, जिससे लोग प्राकृतिक फूलों को उगाने में असमर्थ होते हैं। इसके कारण वे विभिन्न प्रकार के फूलों, जैसे ताजे फूल, गमले में लगे फूल और कृत्रिम फूल (सूखे फूल एवं प्लास्टिक के फूल), की ओर रुख कर रहे हैं। फूलों का उपयोग घरों, कार्यालयों, होटलों और रेस्तरां को सजाने के लिए आमतौर पर किया जाता है। ताजे और सूखे फूल लंबे समय तक टिकाऊ नहीं होते और हर बार बदलने पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है, जबकि कृत्रिम फूल, जो प्राकृतिक फूलों की तरह दिखते हैं, अधिक समय तक टिकाऊ होते हैं और उन्हें बार–बार धोकर साफ किया जा सकता है।

घर, होटल, रिसेप्शन हॉल और टेबल टॉप को सजाने के लिए कृत्रिम फूलों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। ये विवाह समारोहों और सार्वजनिक स्थलों पर भी देखे जा सकते हैं। ताजे और सूखे फूलों के विपरीत, कृत्रिम फूल खराब या नष्ट नहीं होते हैं। यदि इन्हें सही ढंग से प्रचारित किया जाए, तो कृत्रिम फूलों का बड़े पैमाने पर

डा0 पूर्णिमा सिंह सिकरवार
सहायक प्राध्यापक
उद्यान विभाग, शुआट्स विश्वविद्यालय, प्रयागराज– 211007 (उत्तर प्रदेश) भारत।

विपणन किया जा सकता है।

जहां बड़ी मात्रा में फूलों की आवश्यकता होती है, वहां कृत्रिम फूलों का उपयोग बहुत सुविधाजनक होता है, क्योंकि इन्हें लंबे समय तक संग्रहित किया जा सकता है और आवश्यकता पड़ने पर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

फायदे (Advantages):

1. होटल उद्योग में उपयोग – हाल के वर्षों में महानगरों में नए होटल और रेस्तरां की संख्या तेजी से बढ़ी है। बढ़ते हुए व्यवसायों के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। शोभादायक पुष्पों की नाशवान प्रकृति और उनकी सजावट के कारण होटल के रखरखाव की लागत बढ़ जाती है, जिसका अंतिम भार ग्राहकों को वहन करना पड़ता है। इन खर्चों को कम करने के लिए होटल और रेस्तरां में कृ त्रिम पौधों का उपयोग किया जा रहा है।
2. उच्च विपणन संभावनाएँ – ताजे और सूखे फूलों के विपरीत, कृत्रिम फूल खराब या नष्ट नहीं होते। उचित प्रचार रणनीति के साथ इनकी बड़े पैमाने पर बिक्री की जा सकती है, जिससे बाजार में इनकी मांग निरंतर बनी रहती है।
3. जल और उर्वरक की बचत – प्राकृतिक पौधों की तुलना में कृत्रिम पौधों को पानी और उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, जिससे रखरखाव की लागत में भारी कमी आती है। यह विशेष रूप से उन स्थानों के लिए उपयोगी है जहाँ जल आपूर्ति सीमित है।
4. प्रकाश की आवश्यकता नहीं – प्राकृतिक पौधों के विपरीत, कृत्रिम पौधों को प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती। इन्हें अंधेरे कोनों या उन कार्यालयों में सजावट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जहाँ प्राकृतिक प्रकाश कम मिलता है। साथ ही, क्योंकि इन्हें मिट्टी, पानी या पुनः गमले में

लगाने की आवश्यकता नहीं होती, इन्हें किसी भी स्थान पर रखा जा सकता है। यदि किसी स्थान पर अत्यधिक गर्मी या ठंड के कारण जीवित पौधों को रखना संभव नहीं है, तो वहाँ उनकी जगह समान कृत्रिम पौधों का उपयोग करके सौंदर्य बढ़ाया जा सकता है।

कृत्रिम फूलों के उपयोग और संभावनाएँ (Scopes of Artificial Flowers)

1. फॉलिएज पौधे (Foliage Plants):

हरे–भरे पत्तेदार पौधे किसी भी स्थान की सुंदरता को बढ़ाते हैं। कृत्रिम रूप से बनाए गए फॉलिएज पौधों का उपयोग आंतरिक सज्जा (इंडोर डेकोरेशन) और बाहरी उद्यान (आउटडोर गार्डन) में किया जाता है। प्रमुख कृत्रिम फॉलिएज पौधे इस प्रकार हैं:

मॉनस्टेरा (Monstera), सेलम (Selloum), एलोकासिया (Alocasia), ट्रेडेस्कैंटिया (Tradecantia), एग्लोनेमा (Aglaonema), कैलाडियम (Caladium), बर्ड नेस्ट फर्न (Bird Nest Fern), फिलोडेंड्रॉन (Philodendron), डाईफेनबाखिया (Dieffenbachia), कैलेथिया (Calathea), बॉस्टन फर्न (Boston Fern), पांडेनस (Pandanus) आदि।

2. फूल वाले पौधे (Flowering Plants):

प्राकृतिक फूलों वाले पौधों की देखभाल कठिन होती है और इनमें अधिकांश फूल मौसमी होते हैं। इसके विपरीत, कृत्रिम फूलों की सजावट किसी भी मौसम में संभव होती है। फूलों, पौधों और फॉलिएज का संयोजन पहले से तैयार कर पॉट में लगाया जाता है। कृत्रिम फूलों में आमतौर पर निम्नलिखित प्रजातियों का उपयोग किया जाता है–

डेल्फीनियम (Delphinium), जरबेरा (Gerbera), हाइड्रेंजिया (Hydrangea), लिली (Lily), ट्यूलिप (Tulip), पीओनी (Peony), मैग्नोलिया (Magnolia), सूरजमुखी (Sunflower), यूस्तोमा (Eustoma), पॉइंसेटिया (Poinsettia), ऑर्किड्स (Cymbidium, Phalaenopsis, Vanda), पीटुनिया (Petunia), जिरेनियम (Geranium), फूशिया (Fuchsia) आदि।

3. सक्युलेंट और कैक्टस (Succulents and Cacti):

ये पौधे अपने जल–संरक्षण गुणों के कारण लोकप्रिय हैं, लेकिन प्राकृतिक रूप में इन्हें बनाए रखना कठिन होता है। कृत्रिम सक्युलेंट और कैक्टस सजावट के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। कुछ प्रमुख कृत्रिम सक्युलेंट और कैक्टस इस प्रकार हैं–

सैंसेवियरिया (Sansevieria), साइप्रस अल्टर्नी (Cyprus alterni), ऐलोवेरा (Aloe), युक्का (Yucca), पोडोकार्पस (Podocarpus) आदि।

4. कृत्रिम वृक्ष और संरक्षित खजूर (Artificial Trees and Preserved Palms):

प्राकृतिक वृक्षों की देखभाल कठिन होती है और वे हर मौसम में हरे–भरे नहीं रहते। कृत्रिम वृक्ष और संरक्षित पाम पेड़ लंबे समय तक सुंदरता बनाए रखते हैं और बगीचों, रिसॉर्ट्स, होटलों तथा बड़े इंडोर स्पेसेस में उपयोग किए जाते हैं। इनमें प्रमुख हैं–

सॉन्ग ऑफ इंडिया (Song of India), मैग्नोलिया (Magnolia), विस्टेरिया (Wisteria), फिडल ट्री (Fiddle Tree), फाइकस (Ficus sp.), बांस (Bamboo), जापानी मेपल

(Japanese Maple), अरेका पाम (Areca Palm), पाइन् (Pine), सीडर (Cedar) आदि।

5. एस्ट्रो टर्फ (Astro Turf):

कृत्रिम घास (आर्टिफिशियल टर्फ) आजकल खेल स्थलों में बड़े पैमाने पर उपयोग की जा रही है। यह प्राकृतिक घास की तुलना में कम खर्चीली होती है और पुनः उपयोग योग्य सामग्री से बनाई जाती है, जिससे यह अधिक टिकाऊ होती है। यह एथलीटों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन में भी सहायक होती है।

कृत्रिम सजावटी पौधों के निर्माण की प्रक्रिया

कृत्रिम सजावटी पौधों के निर्माण के लिए इंजेक्शन मोल्डिंग प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। इस प्रक्रिया में पंखुड़ियों (petals) को मल्टी–कैविटी डाई (multi-cavity die) की सहायता से तैयार किया जाता है। पंखुड़ियों को बनाने के लिए हाई–डेंसिटी पॉलीएथिलीन (HDPE) और लो–डेंसिटी पॉलीएथिलीन (LDPE) के दानों (granules) का उपयोग किया जाता है। ये दाने विभिन्न रंगों में उपलब्ध होते हैं। निर्माण प्रक्रिया के दौरान, इन रंगीन दानों को पिघलाया जाता है, और पिघले हुए पदार्थ को नोजल (nozzle) के माध्यम से मोल्ड की कैविटी में प्रवाहित किया जाता है।

जब मोल्ड ठंडा हो जाता है, तो तैयार पंखुड़ियों और पत्तियों को डाई से अलग कर लिया जाता है। इस प्रकार, कृत्रिम सजावटी पौधों की संरचनात्मक इकाइयाँ तैयार की जाती हैं, जिनका उपयोग बाद में एक संपूर्ण पौधे के निर्माण में किया जाता है।

कृत्रिम सजावटी पौधों की देखभाल

कृत्रिम पौधे सुंदर और उपयोगी दोनों हो सकते हैं। हालांकि इन्हें प्राकृतिक पौधों की तरह पानी या खाद की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन इन्हें साफ–सुथरा बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सफाई करनी जरूरी होती है। चाहे आपके फूल प्लास्टिक, धातु या सिल्क से बने हों, उनकी नाजुक संरचना के कारण उन्हें साफ करना मुश्किल लग सकता है। लेकिन कुछ आसान और प्रभावी सफाई तकनीकों को अपनाकर कृत्रिम फूलों को लंबे समय तक आकर्षक बनाए रखा जा सकता है।

1. साप्ताहिक रूप से धूल हटाएं

फूलों की सतह पर जमी धूल को हल्के हाथों से साफ करें। हर हफ्ते हल्की सफाई करने से फूलों पर धूल की मोटी परत जमने से बचा जा सकता है। सफाई के लिए पंखों वाले डस्टर के बजाय माइक्रोफाइबर कपड़ा, हेयर ड्रायर (कम गर्मी पर सेट), या वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें। वैक्यूम क्लीनर का सबसे कम सक्शन मोड चुनें और नली पर एक पुराना स्टॉकिंग रबर बैंड से बांधकर लगाएं ताकि फूल सुरक्षित रहें।

2. सिरका और पानी का मिश्रण छिड़कें

यदि फूल थोड़ी नमी सह सकते हैं, तो एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और डिस्टिल्ड सिरका मिलाएं। इस मिश्रण को हल्के से फूलों पर स्प्रे करें और उन्हें प्राकृतिक रूप से सूखने दें। अतिरिक्त नमी को सोखने के लिए फूलों के नीचे एक तौलिया रख सकते हैं।

3. साबुन और पानी से सफाई करें

एक कटोरी या सिंक में गुनगुने पानी में कुछ बूंदें डिश सोप मिलाएं। फूलों को हल्के हाथों से पानी में घुमाएं और उन पर जमी गंदगी को हल्के से रगड़कर हटाएं। फिर तुरंत साफ पानी से धोकर सूखे तौलिये से पोंछ लें। यदि फूल हाथ से लपेटे गए (हैंड रैप्ड) हैं, तो उन्हें पानी में डुबाने से बचें क्योंकि इससे गोंद ढीली हो सकती है और फ्लोरल टेप कमजोर हो सकता है।

4. नींबू के रस का उपयोग करें

स्प्रे बोतल में ताजा नींबू का रस भरें और गंदे भागों पर छिड़कें। इसमें मौजूद साइट्रिक एसिड धूल और मैल को आसानी से तोड़ने में मदद करता है। यदि गंदगी ज्यादा जमी हो, तो एक साफ कपड़ा या रबर ग्लव्स पहनकर हल्के हाथों से रगड़ें। ठंडे पानी से फूलों को धोएं और फिर उन्हें तौलिये पर फैलाकर सुखाएं। गर्म पानी का प्रयोग न करें क्योंकि यह फूलों को जोड़ने वाली गोंद को कमजोर कर सकता है।

5. कांच क्लीनर का प्रयोग करें

सामान्य कांच क्लीनर, जैसे अमोनिया–डी युक्त विंडेक्स (Windex), कृत्रिम फूलों की सफाई के लिए उपयुक्त होते हैं। इसे सीधे फूलों पर छिड़कें और फिर फूलों को धूप में 30 मिनट के लिए रख दें। यह क्लीनर को सक्रिय करने और फूलों के रंग को ताजा बनाए रखने में मदद करेगा।

शहरीकरण और औद्योगीकरण के इस युग में, आज मनुष्य विलासितापूर्ण जीवनशैली की ओर बढ़ रहा है। आधुनिक तकनीक अब हर व्यक्ति की पहुंच में है, जिससे कृत्रिम फूलों का निर्माण सस्ता और सभी के लिए किफायती हो गया है। इसके अलावा, प्राकृतिक पौधों की तुलना में कृत्रिम पौधों के कुछ विशेष लाभ भी हैं और ये रीसाइक्लिंग में

आसान होते हैं, इनके परिवहन लागत कम होती है और यह देखने में अधिक आकर्षक लगते हैं। हालांकि, बढ़ती जनसंख्या और अनियंत्रित उत्पादन वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। पौधों को धीरे–धीरे मात्र संसाधन के रूप में देखा जाने लगा है। आज पौधों का व्यवसायीकरण इतना सामान्य हो गया है कि यह अपरिहार्य लगने लगा है। जीवित पौधों को अब केवल कृषि फसलों के रूप में देखा जाता है, या फिर शहरी निवासियों के लिए मनोरंजन और सजावट का एक साधन मात्र माना जाता है।